भारत में पेंशन योजनाएँ

संदर्भ : पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) इस वर्ष की दूसरी छमाही में राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) से व्यवस्थित निकासी को सक्षम करने के लिए एक नई सुविधा शुरू करने की योजना बना रहा है।

- पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) इस वर्ष की दूसरी छमाही में राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) के लिए व्यवस्थित निकासी योजना शुरू करने की योजना बना रहा है।
- प्रस्तावित सुविधा के तहत, NPS सब्सक्राइबर एकमुश्त निकासी के बजाय 75 वर्ष की आयु तक अपने योगदान का 60% व्यवस्थित रूप से सेवानिवृत्ति के बाद निकाल सकते हैं।
- शेष 40% का उपयोग वार्षिकी खरीदने के लिए किया जाना चाहिए।
- अभिदाताओं के पास निकासी राशि निर्धारित करने की आज़ादी होगी, जिसे एकमुश्त या मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक या वार्षिक किस्तों में लिया जा सकता है।
- व्यवस्थित निकासी योजना 60 से 75 वर्ष की आयु के व्यक्तियों पर लागू होगी।
- सुविधा को लागू करने के लिए आवश्यक सॉफ़्टवेयर अपडेट किए जा रहे हैं, जो कि 2023 की अंतिम तिमाही तक उपलब्ध होने की उम्मीद है।
- NPS के प्रबंधन के तहत संपत्ति (AUM) और अटल पेंशन योजना (APY) वर्तमान में लगभग 9.6 लाख करोड़ रुपये है और सितंबर तक 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है।
- चालू वित्त वर्ष में, NPS का लक्ष्य गैर-सरकारी क्षेत्र से 13 लाख नए ग्राहकों को नामांकित करना है, जबकि पिछले वर्ष 10 लाख नामांकन हुए थे।

नई पेंशन योजना और पुरानी पेंशन योजना के बीच अंतर

भेदक अंश	पुरानी पेंशन योजना	नई पेंशन योजना
योजना का प्रकृति	ओपीएस केवल सरकारी कर्मचारियों को उनके अंतिम पाये गए वेतन के आधार पर पेंशन प्रदान करता है	एनपीएस कर्मचारियों को उनके नियोजित अवधि के दौरान निवेशों के लिए भुगतान करता है।
प्राप्त पेंशन की राशि	अंतिम पाये गए वेतन का 50 प्रतिशत	सेवानिवृत्ति के बाद 60% एकबारी में और बची हुई 40% को मासिक पेंशन प्राप्त करने के लिए एन्यूइटी में निवेश करना
कर में लाभ	कोई कर में लाभ नहीं	कर्मचारी 80C के तहत 1.5 लाख का कर कटौती दावा कर सकते हैं और 80CCD (1बी) के तहत अन्य निवेशों पर 50,000 तक का कर कटौती दावा कर सकते हैं
पेंशन पर कर	पेंशन पर कोई कर नहीं	एनपीएस कोर्पस का 60% कर मुक्त होता है जबकि बची हुई 40% पर कर लगता है
निवेश का विकल्प	कोई विकल्प नहीं	दो विकल्प: सक्रिय और स्वचालित
कौन ले सकता है?	केवल सरकारी कर्मचारी	18-65 वर्ष के बीच के किसी भारतीय नागरिक
योजना बदलना	ओपीएस योजना को एनपीएस में बदला जा सकता है	आम तौर पर एनपीएस योजना को ओपीएस में वापस नहीं बदला जा सकता है, लेकिन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को कर्मचारी की मृत्यु और अक्षमता के मामले में ओपीएस में वापस जाने की अनुमति है।

अटल पेंशन योजना

- अटल पेंशन योजना (APY) भारत के प्रधान मंत्री द्वारा 9 मई, 2015 को शुरू की गई एक पेंशन योजना है।
- यह योजना 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी बचत बैंक/डाकघर बचत बैंक खाताधारकों के लिए खुली है।
- सदस्य 60 वर्ष की आयु तक पहुंचने के बाद 1,000 रुपये, 2,000 रुपये, 3,000 रुपये, 4,000 रुपये या 5,000 रुपये प्रति माह के विकल्पों के साथ अपनी इच्छित पेंशन राशि का चयन कर सकते हैं।
- मासिक पेंशन ग्राहक को उनके जीवनकाल के दौरान उपलब्ध होती है, और उनकी मृत्यु पर, यह उनके पति या पत्नी के लिए जारी रहती है। अभिदाता और पति या पत्नी दोनों की मृत्यु के बाद, संचित पेंशन कोष नामांकित व्यक्ति को वापस कर दिया जाता है।
- सरकार एक न्यूनतम पेंशन राशि की गारंटी देती है, और यदि निवेश रिटर्न उम्मीद से कम है, तो सरकार कमी को पूरा करती है। यदि रिटर्न अधिक है, तो सब्सक्राइबर्स को बढ़ा हुआ लाभ मिलता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- ग्राहक की अकाल मृत्यु की स्थिति में, पति या पत्नी के पास APY खाते में तब तक योगदान जारी रखने का विकल्प होता है जब तक कि ग्राहक 60 वर्ष की आयु तक नहीं पहुंच जाता। पति या पत्नी को उनकी मृत्यु तक ग्राहक के समान पेंशन राशि मिलती है।

31 मार्च, 2019 तक, APY में 149.53 लाख (14.95 मिलियन) सब्सक्राइबर नामांकित थे, जिनकी कुल पेंशन राशि रु. 6,860.30 करोड़ (लगभग $928 मिलियन)।

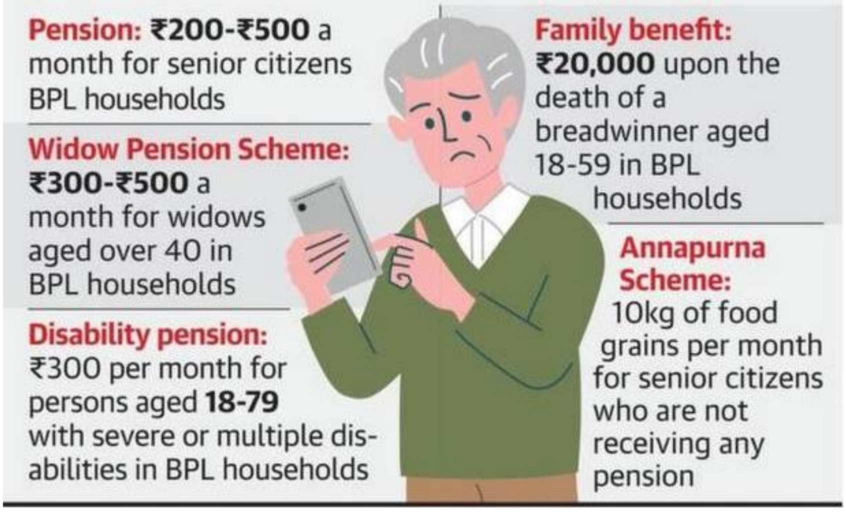

सौर पराबैंगनी इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT)

प्रसंग: पुणे के इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) द्वारा विकसित सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT) को आदित्य-L1 मिशन के साथ एकीकरण के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को सौंप दिया गया है।

- SUIT, आदित्य-L1 मिशन के पेलोड के व्यूह में एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करेगा।
- मिशन का उद्देश्य सूर्य की सतह की घटनाओं और अंतरिक्ष मौसम पर नियमित छवियां और अपडेट प्रदान करना है।
- आदित्य-एल1 सात अलग-अलग पेलोड ले जाएगा, जिसमें SUIT भी शामिल है, जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम और सौर पवन में विभिन्न सौर घटनाओं का अध्ययन करने में सक्षम है।
- SUIT हार्ड एक्स-रे से इन्फ्रारेड तक सौर विकिरण के निर्बाध माप को सक्षम करेगा और पृथ्वी के ओजोन और ऑक्सीजन सामग्री का अध्ययन करने के साथ-साथ त्वचा के कैंसर के लिए खतरनाक यूवी विकिरण को मापने के लिए एक महत्वपूर्ण तरंग दैर्ध्य में छवियों को कैप्चर करेगा।
- SUIT के विकास में पिछले एक दशक में 200-300 से अधिक वैज्ञानिक शामिल थे और उन्हें अल्ट्रा-क्लीन रूम बनाने और विकिरण को पकड़ने के लिए विशेष फिल्टर डिजाइन करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- आदित्य-एल1 मिशन के प्रक्षेपण के बाद, अंतरिक्ष यान को एल1 बिंदु के आसपास प्रभामंडल कक्षा तक पहुंचने में लगभग 100 दिन लगेंगे, जहां सभी सात पेलोड वैज्ञानिक अवलोकन करेंगे।
- SUIT सूर्य के उच्च तापमान वाले वातावरण, निकट-पराबैंगनी विकिरण की उत्पत्ति और भिन्नता और उच्च-ऊर्जा सौर ज्वालाओं से संबंधित मूलभूत प्रश्नों को संबोधित करेगा।

क्या आदित्य L1?

- इसरो द्वारा शुरू किया गया आदित्य-एल1 मिशन, सूर्य के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेगा, जिसमें कोरोना, फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर, सौर उत्सर्जन, सौर हवाएं, फ्लेयर्स और कोरोनल मास इजेक्शन (CME) शामिल हैं।
- मिशन निरंतर अवलोकन प्रदान करते हुए, सूर्य की चौबीसों घंटे इमेजिंग करेगा।
- आदित्य-एल1 को एल1 कक्षा में स्थापित किया जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी की दूरी पर स्थित है।
- एल1 कक्षा आदित्य-एल1 को सूर्य के बारे में अबाध रूप से देखने की अनुमति देती है, जिससे विस्तारित अवधि में सौर घटनाओं का अध्ययन करना संभव हो जाता है।
- सूर्य के कोरोना, फ्लेयर्स और सीएमई का अध्ययन करके वैज्ञानिक सौर गतिविधि और हमारे ग्रह पर इसके प्रभाव की बेहतर समझ हासिल कर सकते हैं।
- आदित्य एल1 मिशन में लगे सात पेलोड या उपकरण हैं:
    1. विजिबल एमिशन लाइन कोरोनोग्राफ (VELC)
    2. सौर पराबैंगनी इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT)
    3. सोलर लो एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (SoLEXS)
    4. आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (ASPEX)
    5. हाई एनर्जी एल1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (HEL1OS)
    6. आदित्य के लिए प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज (PAPA)
    7. उन्नत त्रि-अक्षीय उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल मैग्नेटोमीटर

लैग्रेंज 1 क्या है?

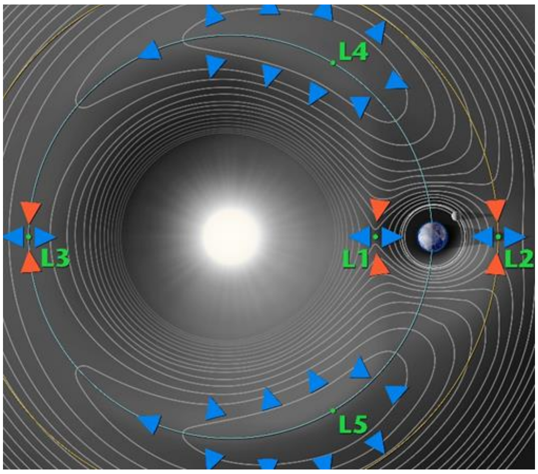

- L1 एक लैग्रेंज बिन्दु है, जो पृथ्वी-सूर्य प्रणाली के कक्षीय तल में पाँच में से एक है।
- लैग्रेंज बिंदु ऐसी स्थितियाँ हैं जहाँ गुरुत्वाकर्षण बल आकर्षण और प्रतिकर्षण के स्थिर क्षेत्र बनाते हैं।
- L1 अंतरिक्ष यान को गुरुत्वाकर्षण बल का उपयोग करके ईंधन के संरक्षण की अनुमति देता है, जिससे यह मिशनों के लिए निरंतर अवलोकन की आवश्यकता होती है।

भारत के लिए प्रेषण लगभग समान रहेगा

संदर्भ: विश्व बैंक के प्रवासन और विकास संक्षिप्त के अनुसार, 2022 में 111 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के लिए 24% से अधिक की रिकॉर्ड-उच्च वृद्धि के बाद, 2023 में भारत का प्रेषण प्रवाह केवल 0.2% बढ़ने का अनुमान है।

- ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में धीमी वृद्धि प्रेषण प्रवाह को प्रभावित कर सकती है, जिससे अनौपचारिक चैनलों की ओर बदलाव हो सकता है।
- भारत ने प्रेषण में उल्लेखनीय 24% वृद्धि का अनुभव किया, जो 2022 में $111 बिलियन तक पहुंच गया।
- हालाँकि, 2023 में भारत के प्रेषण प्रवाह में केवल 0.2% की वृद्धि का अनुमान है।
- जीसीसी देशों में प्रवासियों की मांग में कमी और तेल की कीमतों में गिरावट दक्षिण एशिया में प्रेषण प्रवाह को प्रभावित करती है।
- लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में 3.3% पर उच्चतम प्रेषण वृद्धि होने की उम्मीद है।
- 2022 में उच्च आधार और कुशल आईटी श्रमिकों की कम मांग के कारण दक्षिण एशिया में 0.3% की सबसे कम प्रेषण वृद्धि होने का अनुमान है।

प्रेषण क्या हैं?

- प्रेषण किसी अन्य पार्टी को भेजे गए धन हैं, जो अक्सर अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार होते हैं।
- अप्रवासी आम तौर पर अपने देश में अपने रिश्तेदारों को प्रेषण भेजते हैं।
- प्रेषण कम आय वाले और विकासशील देशों में लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण आय स्रोत के रूप में कार्य करता है।
- प्रेषण की राशि अक्सर प्रत्यक्ष निवेश और आधिकारिक विकास सहायता से अधिक होती है।
- प्रेषण परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी जरूरतों जैसी आवश्यकताओं को वहन करने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- भारत प्रेषण का दुनिया का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता होने का स्थान रखता है।
- प्रेषण भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में योगदान देता है और इसके चालू खाता घाटे के वित्तपोषण में सहायता करता है।

Figure 1.2 Top Recipients of Remittances among Low- and Middle-Income Countries, 2022

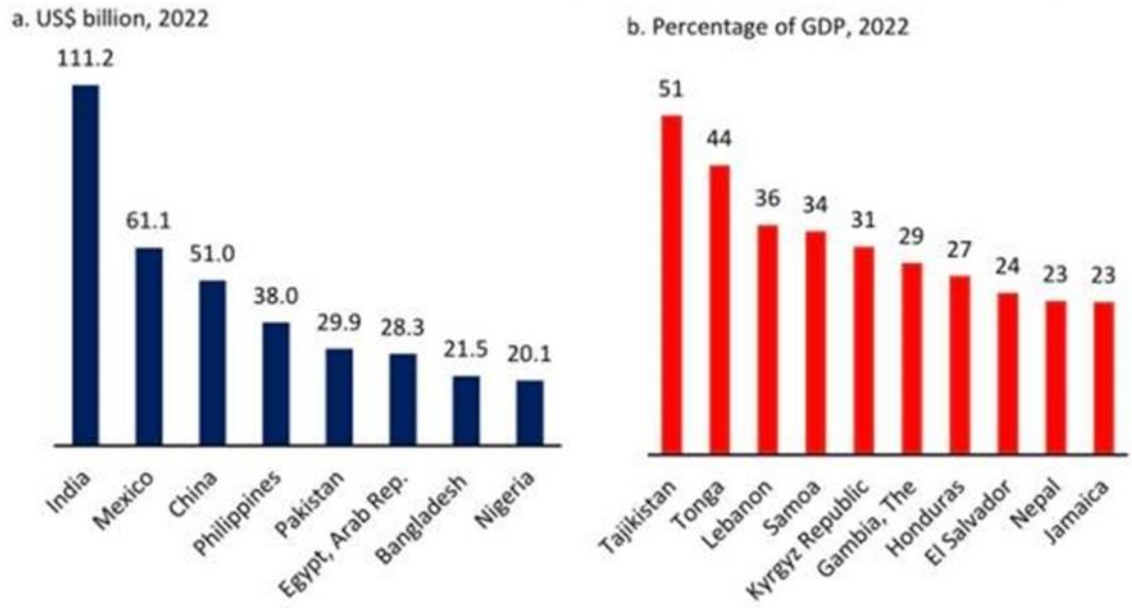

Source: World Bank–KNOMAD staff; World Development Indicators; IMF Balance of Payments Statistics.
Note: GDP = gross domestic product.

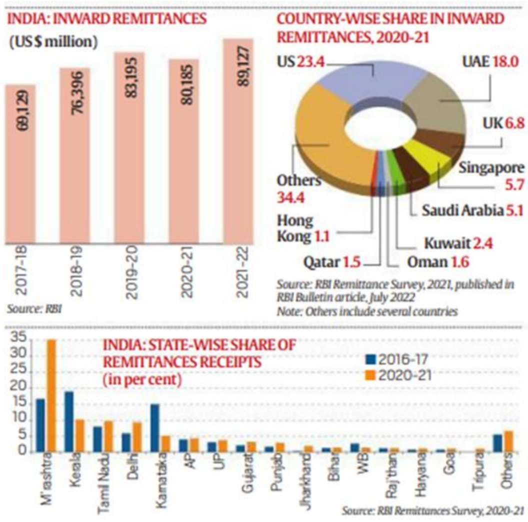

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

NEWS IN BETWEEN THE LINES

MQ-9 ड्रोन

संदर्भ: हाल ही में, भारत और अमेरिका के बीच **MQ-9** ड्रोन के अधिग्रहण को लेकर संभावित डील हुई है।

MQ-9 **ड्रोन:**

MQ-9 ड्रोन, जिसे **MQ-9** रीपर अनमैन्ड एरियल व्हीकल (**UAV**) या प्रीडेटर **B** ड्रोन के रूप में भी जाना जाता है। यह उन्नत सैन्य मानवरहित विमान प्रणाली हैं। इसे संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित एक वैमानिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एरोनॉटिकल सिस्टम्स (**GA-ASI**) द्वारा निर्मित हैं।

MQ-9 **रीपर यूएवी की खरीद को मंजूरी:**

रक्षा अधिग्रहण परिषद (**DAC**) ने जनरल एटॉमिक्स एरोनॉटिकल सिस्टम्स (**GA-ASI**) से सशस्त्र **MQ-9** रीपर यूएवी की खरीद को मंजूरी दे दी है। खरीद का मूल्य **$ 3** बिलियन से अधिक है।

सहनशक्ति और पेलोड क्षमता:

MQ-9 में **27** घंटे से अधिक की सहनशक्ति है, **240** समुद्री मील की वास्तविक वायु गति है और **50,000** फीट की ऊंचाई तक काम कर सकता है। इसकी पेलोड क्षमता **1,746** किलोग्राम है, जिसमें **1,361** किलोग्राम बाहरी स्टोर शामिल हैं।

बेहतर प्रदर्शन:

MQ-9 पहले के **MQ-1** प्रीडेटर की तुलना में महत्वपूर्ण संवर्द्धन प्रदान करता है, जिसमें **500%** अधिक पेलोड और नौ गुना अश्वशक्ति ले जाने की क्षमता है। यह लगातार निगरानी और हमले की क्षमता के लिए अनुमति देता है।

समुद्री संस्करण:

MQ-9 का समुद्री संस्करण, जिसे सी गार्जियन के रूप में जाना जाता है। इसमें **30** घंटे से अधिक का क्षमता है।

आवंटन:

यदि सौदे को अंतिम रूप दिया जाता है, तो भारत के पास कुल **31 MQ-9** ड्रोन होंगे, जिनमें से **15** नौसेना को और आठ प्रत्येक सेना और वायु सेना को आवंटित किए जाएंगे।

परंपरा

संदर्भ: नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (**NMACC**) गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 'परंपरा' नामक एक विशेष **2**-दिवसीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, जो **30** जून और **1** जुलाई को पड़ता है।

NMACC क्या है?

नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (**NMACC**), नीता अंबानी और मुकेश अंबानी द्वारा स्थापित एक संस्था या सांस्कृतिक केंद्र है, जो भारतीय व्यापार और मनोरंजन उद्योग में प्रमुख व्यक्ति हैं। यह मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित है।

उद्देश्य:

एनएमएसीसी (**NMACC**) का उद्देश्य कला, संस्कृति और विरासत के विभिन्न रूपों को बढ़ावा देना और प्रदर्शित करना है।

सांस्कृतिक विनिमय और विरासत:

- एनएमएसीसी (**NMACC**) भारत में शास्त्रीय संगीत की विरासत का सम्मान करने पर जोर देती है।
- यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और रचनात्मकता और प्रतिभा को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

गुरु की भूमिका का महत्व:

- नीता अंबानी छात्रों को आत्म-खोज के मार्ग पर मार्गदर्शन करने में गुरु की भूमिका के महत्व पर जोर देती हैं।
- यह सांस्कृतिक केंद्र गुरु-शिष्य (शिक्षक-छात्र) के रिश्ते को पहचानता है और उसका उत्सव मनाता है।

ग्लोबल स्टॉकटेक

संदर्भ:

हाल ही में, बॉन जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई के लिए मार्ग प्रशस्त करते हुए, पहले वैश्विक स्टॉकटेक की तकनीकी वार्ता समाप्त कर दी है।

ग्लोबल स्टॉकटेक:

- ग्लोबल स्टॉकटेक पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के तहत स्थापित एक प्रक्रिया है।
- यह समझौते के लक्ष्यों की दिशा में सामूहिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए हर पांच साल में किया जाने वाला एक व्यापक मूल्यांकन है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

<table>
<tr>
<td></td>
<td>

➢ स्टॉकटेक देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए किए गए प्रयासों की जांच करता है और कार्यान्वयन और समर्थन में अंतराल की पहचान करता है।
➢ यह जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत आयोजित एक प्रक्रिया है। यूएनएफसीसीसी (UNFCCC) का मुख्यालय बॉन, जर्मनी में है।
उद्देश्य और महत्व:
➢ ग्लोबल स्टॉकटेक का उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करने और पेरिस समझौते के उद्देश्यों को प्राप्त करने में वैश्विक प्रगति को ट्रैक करना है।
➢ स्टॉकटेक देशों के लिए अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं की समीक्षा करने और उन्हें बढ़ाने और अधिक महत्वाकांक्षी कार्यों की आवश्यकता निर्धारित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता:
➢ वैश्विक प्रयासों के बावजूद, पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मौजूदा कार्रवाइयाँ पर्याप्त नहीं हैं।
➢ जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) ने महत्वपूर्ण उत्सर्जन कटौती और परिवर्तनकारी अनुकूलन उपायों की आवश्यकता पर बल दिया है।
➢ वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।
परिणाम:
ग्लोबल स्टॉकटेक के निष्कर्ष और सिफारिशें विशेष रूप से COP28 में पार्टियों के सम्मेलन (COP) में प्रस्तुत की जाएंगी।

</td>
</tr>
<tr>
<td>

राष्ट्रीय जल पुरस्कार

</td>
<td>

संदर्भ: जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, 17 जून 2023 को नई दिल्ली में चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कर रहा है। भारत के उपराष्ट्रपति (श्री जगदीप धनखड़) समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।
राष्ट्रीय जल पुरस्कार:
राष्ट्रीय जल पुरस्कार भारत सरकार द्वारा जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों, संगठनों, राज्यों, जिलों और ग्राम पंचायतों के प्रयासों को मान्यता देने और उनकी सराहना करने के लिए एक पहल है।
उद्देश्य:
पुरस्कारों का उद्देश्य पानी के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना, सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित करना और 'जल समृद्ध भारत' के सरकार के दृष्टिकोण का समर्थन करना है।
पुरस्कार की श्रेणियाँ:
जल संरक्षण की दिशा में काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं को मान्यता देने के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। ये श्रेणियां शामिल हो सकती हैं:
➢ सर्वश्रेष्ठ राज्य: जल प्रबंधन में राज्य सरकार के प्रयासों को मान्यता देता है।
➢ सर्वश्रेष्ठ जिला: जल संरक्षण उपायों को लागू करने में जिलों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्य को स्वीकार करता है।
➢ सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत: जल संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायतों के प्रयासों की सराहना करता है।

</td>
</tr>
</table>

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com